चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स 'द फिजिक्स क्लब' की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से 'रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स' विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरूआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया।

कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्स विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. नीलू महाजन, आयोजन सचिव डॉ. समनदीप और सह-संयोजक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों और सहयोगियों के उत्साह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

Aaj Samaaj 19-9-25

चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

आज समाज नेटवर्क

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स 'द फिजिक्स क्लब' की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से 'रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स' विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरूआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया।

कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्स विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. नीलू महाजन, आयोजन सचिव डॉ. समनदीप और सह-संयोजक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों और सहयोगियों के उत्साह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

चंडीगढ़, (आपका फैसला)। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स क्लब ऑफ द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं। कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं और विद्यार्थियों को जिज्ञासा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। इससे पहले तकनीकी सत्रों में प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। जेएनयू, दिल्ली के प्रो. राम प्रसाद प्रजापति ने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और संलयन प्रौद्योगिकी की निर्माण गाथा - विकसित भारत-2047 विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु संलयन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। आईआईएसईआर मोहाली की डॉ. हरविंदर कौर जस्सल ने आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के सबसे गहन रहस्यों में से एक पर प्रकाश डालते हुए रहस्यमय डार्क एनर्जी पर चर्चा की। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के प्रोफेसर विपिन भटनागर ने मेगा साइंस एक्सपेरिमेंट्स: इनोवेशन टू सोसाइटल इम्पैक्ट्स विषय पर बात की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक सहयोग तकनीकी विकास और सामाजिक लाभ में योगदान करते हैं।

Arth Prakash 19.9.25

कार्यक्रम

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

देशभर के वैज्ञानिकों ने साझा किए नवीनतम शोध और नवाचार

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से ÷रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स÷ विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं।

कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. नीलू महाजन, आयोजन सचिव डॉ. समनदीप और सह-संयोजक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों और सहयोगियों के उत्साह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस आयोजन के दौरान साझा किए गए विचार-विमर्श और अंतर्दृष्टियाँ शोध को आगे बढ़ाने तथा भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगी।

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के बदले विकास पर हुई चर्चा

वैभव न्यूज ■ चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स क्लब ऑफ द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से ÷रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स÷ विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं। कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं और विद्यार्थियों को जिज्ञासा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

कांफ्रेंस में युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने का मिला अवसर

डेमोक्रेटिक फंट चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स द्ध द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं। कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्स विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं और विद्यार्थियों को जिज्ञासा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं। इससे पहले तकनीकी सत्रों में प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। जेएनयू, दिल्ली के प्रो. राम प्रसाद प्रजापति ने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और संलयन प्रौद्योगिकी की निर्माण गाथा – विकसित भारत@2047 विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु संलयन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। आईआईएसईआर मोहाली की डॉ. हरविंदर कौर जस्सल ने आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के सबसे गहन रहस्यों में से एक पर प्रकाश डालते हुए रहस्यमय डार्क एनर्जी पर चर्चा की।

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

कांफ्रेंस में युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने का मिला अवसर

देश प्यार : चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के

बॉसॉन्स ङ्क द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन कार्उसिल (आईआईसी) के सहयोग से ÷रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स÷ विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं।

कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं और विद्यार्थियों को जिज्ञासा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।

इससे पहले तकनीकी सत्रों में प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। जेएनयू, दिल्ली के प्रो. राम प्रसाद प्रजापति ने ÷भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और संलयन प्रौद्योगिकी की निर्माण गाथा - विकसित भारतज्ञ2047÷ विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु संलयन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। आईआईएसईआर मोहाली की डॉ. हरविंदर कौर जस्सल ने आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के सबसे गहन रहस्यों में से एक पर प्रकाश डालते हुए ÷रहस्यमय डार्क एनर्जी÷ पर चर्चा की। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के प्रोफेसर विपिन भटनागर ने ÷मेगा साइंस एक्सपेरिमेंट्स− इनोवेशन टू सोसाइटल इम्पैक्ट्स÷ विषय पर बात की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक सहयोग तकनीकी विकास और सामाजिक लाभ में योगदान करते हैं।

फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. नीलू महाजन, आयोजन सचिव डॉ. समनदीप और सह-संयोजक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों और सहयोगियों के उत्साह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस आयोजन के दौरान साझा किए गए विचार-विमर्श और अंतर्दृष्टियाँ शोध को आगे बढ़ाने तथा भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस कांफ्रेंस में छात्रों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों सहित कुल 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Divya Himachal 19-9-25

ज्ञान

शोधकर्ताओं ने की रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स विषय पर चर्चा, विशेषज्ञों ने छात्रों में भरा जोश

एसडी कालेज में इनोवेटिव प्रोग्राम का आगाज

दिव्य हिमाचल ब्यूरो- चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स द फिजिक्स क्लब की ओर से गुरुवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल आईआईसी के सहयोग से रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स विषय पर चौथी नेशनल कान्फ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कान्फ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी डीबीटी की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कान्फ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कान्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. केसी जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित

किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहां उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं। कान्फ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियां भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला।

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

फास्ट मीडिया/चंडीगढ़/अंजू मोदगिल

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स – द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से "रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स" विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया।

कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं। कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं और विद्यार्थियों को जिज्ञासा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।

H.T. Chandigarh 19-9-25

Physics conference organised at SD College

CHANDIGARH : The department of physics, in collaboration with the IIC of SD College organised the 4th National Conference on 'Recent Advances in Physics' supported by DBT BUILDER Scheme of department of biotechnology (DBT). The conference featured a keynote address by KC Jena, head of the department of physics at IIT Ropar. HTC

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स - द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन कार्डसिल (आईआईसी) के सहयोग से 'रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स' विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के

फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं। कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। इससे पहले तकनीकी सत्रों में प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। जेएनयू, दिल्ली के प्रो. राम प्रसाद प्रजापति ने 'भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और संलयन प्रौद्योगिकी की निर्माण गाथा - विकसित भारत@2047' विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु संलयन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। आईआईएसईआर मोहाली की डॉ. हरविंदर कौर जस्सल ने आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के सबसे गहन रहस्यों में से एक पर प्रकाश डालते हुए 'रहस्यमय डार्क एनर्जी' पर चर्चा की। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के प्रोफेसर विपिन भटनागर ने 'मेगा साइंस एक्सपेरिमेंट्स- इनोवेशन टू सोसाइटल इम्पैक्ट्स' विषय पर बात की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक सहयोग तकनीकी विकास और सामाजिक लाभ में योगदान करते हैं। फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. नीलू महाजन, आयोजन सचिव डॉ. समनदीप और सह-संयोजक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों और सहयोगियों के उत्साह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस कांफ्रेंस में छात्रों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों सहित कुल 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

कांफ्रेंस में युवा शोधकताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने का मिला अवसर

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स झ द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से ह्वरिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्सह्व विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरूआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.

सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इस शोध का निष्कर्ष न केवल मौलिक अनुसंधान के लिए महत्वपूर्ण हैं, बल्कि औद्योगिक अनुप्रयोगों पर भी दूरगामी प्रभाव डालते हैं।

कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की कांफ्रेंस सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देते हैं और विद्यार्थियों को जिज्ञासा की भावना को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित करते हैं।

इससे पहले तकनीकी सत्रों में प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। जेएनयू, दिल्ली के प्रो. राम प्रसाद प्रजापति ने ह्भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और संलयन प्रौद्योगिकी की निर्माण गाथा - विकसित भारत@2047ह्व विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु संलयन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। आईआईएसईआर मोहाली की डॉ. हरविंदर कौर जस्सल ने आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के सबसे गहन रहस्यों में से एक पर प्रकाश डालते हुए ह्रहस्यमय डार्क एनर्जीह्व पर चर्चा की। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के प्रोफेसर विपिन भटनागर ने ह्मेगा साइंस एक्सपेरिमेंट्सः इनोवेशन टू सोसाइटल इम्पैक्ट्सह्व विषय पर बात की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक सहयोग तकनीकी विकास और सामाजिक लाभ में योगदान करते हैं।

फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. नीलू महाजन, आयोजन सचिव डॉ. समनदीप और सह-संयोजक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों और सहयोगियों के उत्साह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस आयोजन के दौरान साझा किए गए विचार-विमर्श और अंतर्दृष्टियाँ शोध को आगे बढ़ाने तथा भविष्य की तकनीकी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस कांफ्रेंस में छात्रों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों सहित कुल 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

Punjab Kesari 29-9-25

फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर चर्चा

चंडीगढ़, 19 सितम्बर (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स द फिजिक्स क्लब ने इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काऊंसिल के सहयोग से रिसैंट एडवांसेज इन फिजिक्स विषय पर चौथी नैशनल कांफ्रैंस का आयोजन किया। सत्र की शुरूआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई। आई.आई.टी. रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर नवीनतम शोध निष्कर्षों को साझा किया। प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियां भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को इनोवेटिव आइडियाज प्रदर्शित करने के लिए आकर्षक मंच मिला। कॉलेज सोसायटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी ने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की।

एसडी कॉलेज में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

संवाददाता
चंडीगढ़

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स झ द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरूआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके

बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। इकांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया। इससे पहले तकनीकी सत्रों में प्रमुख संस्थानों के प्रतिष्ठित वक्ताओं ने अपने विचार व्यक्त किए। जेएनयू, दिल्ली के प्रो. राम प्रसाद प्रजापति ने भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान और संलयन प्रौद्योगिकी की निर्माण गाथा - विकसित भारत@2047 विषय पर प्रस्तुति दी, जिसमें अंतरिक्ष अनुसंधान और परमाणु संलयन में भारत की प्रगति पर प्रकाश डाला गया। आईआईएसईआर मोहाली की डॉ. हरविंदर कौर जस्सल ने आधुनिक ब्रह्मांड विज्ञान के सबसे गहन रहस्यों में से एक पर प्रकाश डालते हुए रहस्यमय डार्क एनर्जी पर चर्चा की। पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ के प्रोफेसर विपिन भटनागर ने मेगा साइंस एक्सपेरिमेंट्सः इनोवेशन टू सोसाइटल इम्पैक्ट्स विषय पर बात की, जिसमें इस बात पर जोर दिया गया कि किस प्रकार बड़े पैमाने पर वैज्ञानिक सहयोग तकनीकी विकास और सामाजिक लाभ में योगदान करते हैं।

फिजिक्स विभाग की अध्यक्ष एवं संयोजक डॉ. नीलू महाजन, आयोजन सचिव डॉ. समनदीप और सह-संयोजक डॉ. संदीप कुमार शर्मा ने प्रतिभागियों और सहयोगियों के उत्साह और समर्थन के लिए उनका आभार व्यक्त किया। इस कांफ्रेंस में छात्रों, शोधार्थियों और प्राध्यापकों सहित कुल 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया।

एसडी कॉलेज में चौथी नेशनल कांफ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स - द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से ÷रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स÷ विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कांफ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया। कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने फिजिक्ल विभाग की इस पहल की सराहना की और उन्हें कॉलेज में शोध एवं नवाचार की सशक्त संस्कृति विकसित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहने हेतु प्रोत्साहित किया।

GGDSD College hosts fourth National Conference on Physics

@ The Savera Times

Network

Chandigarh: The Department of Physics, GGDSD College, Sector 32, Chandigarh, in collaboration with the Institution's Innovation Council (IIC), successfully organized the 4th National Conference on "Recent Advances in Physics," supported by the DBT BUILDER Scheme of the Department of Biotechnology, Government of India. The conference brought together over 150 scientists, academicians, researchers, and students from across the country. The inaugural session opened with a welcome by Prof. Ashutosh Sharma, followed by a keynote address from Prof. K.C. Jena, Head, Department of Physics, IIT Ropar.

He spoke on "Confined Molecular Structure at Air/Aqueous Interface: An Insight into Specific Ion Effects", highlighting molecular interactions at interfaces through advanced spectroscopic techniques with implications for both research and industry.

एसडी कॉलेज में नेशनल कॉन्फ्रेंस में फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास पर हुई चर्चा

उत्तम हिन्दू न्यूज नेटवर्क

चंडीगढ़/विज : सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के फिजिक्स विभाग के बॉसॉन्स - द फिजिक्स क्लब की ओर से वीरवार को इंस्टीट्यूशंस इनोवेशन काउंसिल (आईआईसी) के सहयोग से 'रिसेंट एडवांसेज इन फिजिक्स' विषय पर चौथी नेशनल कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। इस कॉन्फ्रेंस को भारत सरकार, नई दिल्ली के डिपार्टमेंट आफ बायोटेक्नोलॉजी (डीबीटी) की डीबीटी बिल्डर स्कीम का सहयोग प्राप्त हुआ। इस अवसर पर देशभर से प्रख्यात वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, शिक्षाविदों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। कांफ्रेंस ने सभी प्रतिभागियों को फिजिक्स के क्षेत्र में नवीनतम विकास, अनुसंधान निष्कर्षों और नवाचारों को साझा करने का एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान किया।

कांफ्रेंस के उद्घाटन सत्र की शुरुआत प्रो. अशुतोष शर्मा के स्वागत भाषण से हुई, जिसने पूरे दिन के लिए समृद्ध शैक्षणिक विमर्श की नींव रखी। इसके बाद आईआईटी रोपड़ के फिजिक्स विभाग के अध्यक्ष प्रो. के.सी. जेना ने मुख्य वक्ता के तौर पर संबोधित किया करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किए और नवीनतम शोध निष्कर्षों को प्रतिभागियों के साथ साझा किया। उनके व्याख्यान ने इंटरफेस पर मॉलिक्यूलर इंटरेक्शंस की गहन समझ प्रदान की, जहाँ उन्होंने एडवांस्ड स्पेक्ट्रोस्कोपिक तकनीकों का उपयोग किया। कांफ्रेंस में प्रतिभागियों द्वारा मौखिक और पोस्टर प्रस्तुतियाँ भी शामिल थीं, जिससे युवा शोधकर्ताओं और छात्रों को अपने इनोवेटिव आइडियाज को प्रदर्शित करने के लिए एक आकर्षक मंच मिला। कार्यक्रम का समापन जीजीडीएसडी कॉलेज सोसाइटी के महासचिव प्रो. अनिरुद्ध जोशी द्वारा औपचारिक धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिन्होंने वक्ताओं, प्रतिभागियों और आयोजकों के योगदान की सराहना की।